



Essay on Cashless Economy

Reference – Digital India, Internet penetration, Ransom ware cyber attack, Law for Cyber Security.

1. Introduction

- 1) Cashless economy means the economy within which cash flow is non-existent or very less and all transactions are from electronic clearing and payment system such as IMPS, NEFT, RTGS, UPI, Mobile banking etc.
- 2) The country embarked upon this transition to a less cash economy when the government took the revolutionary step of demonetization.
- 3) It is necessary to reduce dependency on cash and to bring hoards of stashed black money lying unused into the banking system.
- 4) The government is digitizing all departments to promote electronic departments.

2. Body

- 1) India has very **high Cash to GDP ratio** as compared to rest of the world, which should be reduced.
- 2) Most of the people use cash for day to day activity, low internet penetration and awareness among people.
- 3) Reduction in black money, corruption, tax evasion and anti social and anti national activities.
- 4) It will lead to greater transparency, ease and convenience in monetary transactions and increased liquidity in the banking system.
- 5) It saves the substantial costs of printing and circulating currency notes.
- 6) Online banking has gained prominence due to consistent efforts of government (**BHIM App**) and increased participation of people.
- 7) But it faces various barriers such as slow speed of the Internet, cyber security, digital infrastructure, lack of digital literacy and awareness among people.
- 8) Integration of **unorganized sector** which constitutes about 80% of our economy.

3. Conclusion

- 1) Technological literacy and better digital infrastructure will make India an economic powerhouse.
- 2) Comprehensive law and strict punishment for cyber crimes and illegal transactions.
- 3) The e-payments services and digital transactions are gaining unprecedented momentum.
- 4) The **Digital India Campaign** and participation of informed citizens will transform the country into a cashless society in near future.

Approx- 290 words.

नकदहीन अर्थव्यवस्था पर निबंध

1. Introduction

- 1) नकदहीन अर्थव्यवस्था का मतलब वह अर्थव्यवस्था है जिसमें नकदी प्रवाह बहुत कम है और सभी लेनदेन इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग और भुगतान प्रणाली जैसे कि आईएमपीएस, एनईएफटी, आरटीजीएस, यूपीआई, मोबाइल बैंकिंग आदि से होते हैं।
- 2) देश ने विमुद्रीकरण के बाद इस प्रणाली का उपयोग करना शुरू कर दिया।
- 3) नकदी पर निर्भरता को कम करना और बैंकिंग प्रणाली में काले धन को जमा करना आवश्यक है।
- 4) इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए सरकार सभी विभागों को अंकीकरण कर रही है।

2. Body

- 1) शेष विश्व की तुलना में भारत में नकद - जीडीपी अनुपात बहुत अधिक है, जिसे कम किया जाना चाहिए।
- 2) अधिकांश लोग रोजाना गतिविधि के लिए नकदी का उपयोग करते हैं।

- 3) काले धन में कमी, भ्रष्टाचार, कर चोरी , सामाजिक और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में कमी ।
- 4) इससे मौद्रिक लेनदेन में अधिक पारदर्शिता, आसानी और सुविधा और बैंकिंग प्रणाली मजबूत हो जाएगा ।
- 5) प्रिंट करने और मुद्रा नोटों को परिचालित करने की पर्याप्त लागत बचत होगी।
- 6) सरकार के निरंतर प्रयासों (BHIM ऐप) और लोगों की बढ़ती भागीदारी के कारण ऑनलाइन बैंकिंग को प्रमुखता मिली है
- 7) लेकिन इसमें इंटरनेट की धीमी गति, साइबर सुरक्षा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल साक्षरता की कमी और लोगों के बीच जागरूकता जैसी विभिन्न बाधाएं हैं।
- 8) असंगठित क्षेत्र का एकीकरण जो कि हमारी अर्थव्यवस्था का लगभग 80% है।

3. Conclusion

- 1) तकनीकी साक्षरता और बेहतर डिजिटल बुनियादी ढांचा भारत को एक आर्थिक ऊर्जाघर बना देगा।
- 2) व्यापक कानून, साइबर अपराध और अवैध लेनदेन के लिए सख्त दंड।
- 3) ई-भुगतान सेवाएं और डिजिटल लेन-देन अप्रत्याशित गति प्राप्त कर रहे हैं।
- 4) डिजिटल इंडिया अभियान और जागरूक नागरिकों की भागीदारी निकट भविष्य में देश को नकदहीन समाज में परिवर्तित कर देगा।